يَـٰٓأَيُّهَا ٱلَّذِينَ ءَامَنُواْ خُذُواْ حِذۡرَكُمۡ فَٱنفِرُواْ ثُبَاتٍ أَوِ ٱنفِرُواْ
جَمِيعٗا ٧١ وَإِنَّ مِنكُمۡ لَمَن لَّيُبَطِّئَنَّ فَإِنۡ أَصَٰبَتۡكُم مُّصِيبَةٞ
قَالَ قَدۡ أَنۡعَمَ ٱللَّهُ عَلَيَّ إِذۡ لَمۡ أَكُن مَّعَهُمۡ شَهِيدٗا ٧٢ وَلَئِنۡ
أَصَٰبَكُمۡ فَضۡلٞ مِّنَ ٱللَّهِ لَيَقُولَنَّ كَأَن لَّمۡ تَكُۢنۢ بَيۡنَكُمۡ
وَبَيۡنَهُۥ مَوَدَّةٞ يَٰلَيۡتَنِي كُنتُ مَعَهُمۡ فَأَفُوزَ فَوۡزًا عَظِيمٗا ٧٣
۞ فَلۡيُقَٰتِلۡ فِي سَبِيلِ ٱللَّهِ ٱلَّذِينَ يَشۡرُونَ ٱلۡحَيَوٰةَ ٱلدُّنۡيَا
بِٱلۡأٓخِرَةِۚ وَمَن يُقَٰتِلۡ فِي سَبِيلِ ٱللَّهِ فَيُقۡتَلۡ أَوۡ يَغۡلِبۡ فَسَوۡفَ
نُؤۡتِيهِ أَجۡرًا عَظِيمٗا ٧٤ وَمَا لَكُمۡ لَا تُقَٰتِلُونَ فِي سَبِيلِ ٱللَّهِ
وَٱلۡمُسۡتَضۡعَفِينَ مِنَ ٱلرِّجَالِ وَٱلنِّسَآءِ وَٱلۡوِلۡدَٰنِ ٱلَّذِينَ
يَقُولُونَ رَبَّنَآ أَخۡرِجۡنَا مِنۡ هَٰذِهِ ٱلۡقَرۡيَةِ ٱلظَّالِمِ أَهۡلُهَا
وَٱجۡعَل لَّنَا مِن لَّدُنكَ وَلِيّٗا وَٱجۡعَل لَّنَا مِن لَّدُنكَ نَصِيرًا ٧٥
ٱلَّذِينَ ءَامَنُواْ يُقَٰتِلُونَ فِي سَبِيلِ ٱللَّهِۖ وَٱلَّذِينَ كَفَرُواْ
يُقَٰتِلُونَ فِي سَبِيلِ ٱلطَّٰغُوتِ فَقَٰتِلُوٓاْ أَوۡلِيَآءَ ٱلشَّيۡطَٰنِۖ إِنَّ
كَيۡدَ ٱلشَّيۡطَٰنِ كَانَ ضَعِيفًا ٧٦

Theme	
Be prepared for armed conflict (Qital). Make qital to help the oppressed.	मुसल्लह जंग (क़िताल) के लिए तैयार रहो। मज़लूमों की मदद के लिए क़िताल करो।
Tarjumani	
O believers! Prepare yourselves for encounter, then advance in detachments or all together as the	ऐ लोगो जो ईमान लाए हो, मुक़ाबले के लिए हर वक़्त तैयार रहो, फिर जैसा मौक़ा हो

occasion may require. There will be someone among you who will surely lag behind, so that if you face any calamity, he will say: "Allah has been gracious to me that I did not accompany them." But if you are blessed with grace from Allah, he will say, as if there was no friendship between you and him: "I wish I had been with them; I could have attained a mighty good fortune!" Let it be known that only those people should fight in the cause of Allah who are willing to exchange the life of this world for the Hereafter; and whoever fights for the cause of Allah, whether he dies or is victorious, will soon be granted a mighty reward. And what reason do you have not to fight in the cause of Allah, to rescue the helpless oppressed men, women, and children who are crying: "Our Rabb! Deliver us from this town whose people are oppressors; raise for us a protector from You and send for us a helper from You." Those who are believers, fight in the cause of Allah and those who are unbelievers fight in the cause of Taghoot (false deities Shaitan): so fight against the helpers of Shaitan; surely, Shaitan's crafty schemes are very weak.	अलग-अलग दस्तों की शक्ल में निकलो या इकट्टे होकर	हाँ, तुममें कोई-कोई आदमी ऐसा भी है जो लड़ाई से जी चुराता है, अगर तुमपर कोई कोई मुसीबत आए तो कहता है अल्लाह ने मुझपर बड़ा फज्ल किया कि मैं इन लोगों के साथ न गया, और अगर अल्लाह की तरफ़ से तुमपर फज्ल हो तो कहता है— और इस तरह कहता है कि गोया तुम्हारे और उसके दरमियान मुहब्बत का तो कोई ताल्लुक था ही नहीं— कि काश मैं भी उनके साथ होता तो बड़ा काम बन जाता! (ऐसे लोगों को मालूम हो कि) अल्लाह की राह में लड़ना चाहिए उन लोगों को जो आख़िरत के बदले दुनिया की ज़िन्दगी को फ़रोख्त कर दें, फिर जो अल्लाह की राह में लड़ेगा और मारा जाएगा या ग़ालिब रहेगा उसे ज़रूर हम अज्रे-अज़ीम अता करेंगे	आख़िर क्या वज़ह है कि तुम अल्लाह की राह में उन बेबस मर्दों, औरतों और बच्चों की खातिर न लड़ो जो कमज़ोर पाकर दबा लिए गए हैं और फ़रियाद कर रहे हैं कि खुदाया! हमको इस बस्ती से निकाल जिसके बाशिन्दे ज़ालिम हैं, और अपनी तरफ़ से हमारा कोई हामी व मददगार पैदा कर दे	जिन लोगों ने ईमान का रास्ता इखतियार किया है, वे अल्लाह की राह में लड़ते हैं और जिन्होंने कुफ़्र का रास्ता इखतियार किया है वे तागूत की राह में लड़ते हैं, पस शैतान के साथियों से लड़ो और यक़ीन जानो कि शैतान की चालें हक़ीकत में निहायत कमज़ोर हैं	

Tafsir
